जवाहर विस्तार दर्पण

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

जनवरी-मार्च 2017 | त्रैमासिक समाचार पत्रिका | वर्ष-01 अंक - 02

इस अंक में

- विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ
  - फारमर्स फर्स्ट परियोजना
  - प्रशिक्षण
  - अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस
  - राष्ट्रीय कृषि उदय 2017
  - सीड हब
  - समूह प्रदर्शन - दलहन एवं तिलहन
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ
- अवार्ड/सम्मान
- बधाई
- पदोन्नति

संरक्षक

प्रो. व्ही.एस. तोमर

कुलपति

ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

मार्गदर्शक

डॉ. पी.के. बिसेन

संचालक विस्तार सेवायें

ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

प्रधान संपादक

डॉ. अर्चना पाण्डे

संपादक मंडल

डॉ. टी.आर. शर्मा

डॉ. संजय वैशमपायन

डॉ. अनय रावत

निदेशक की कलम से

हमारे देश में फसल अवशेषों की उपयोगिता को नजर अंदाज़ किया जाता रहा है, वस्तुत: इन अवशेषों को फेंक देना अथवा नष्ट कर देना ही, हमारे कृषि क्षेत्र की प्रकृति बन गई है।

खेत में फसल अवशेषों को जलाकर नष्ट करना तो भारी नुकसानदायक कार्य है। जब हम नरवाई जलाते हैं तो न सिर्फ पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं अपितु मिट्टी में उपस्थित उपजाऊ जीवाणु के साथ ही कृषि मित्र कीटों एवं जीवों की भी हत्या कर देते हैं जिससे कि मृदा की भौतिक संरचना पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है । इस कृत्य से मिट्टी की जल धारण क्षमता भी प्रभावित होती है। इस समस्या की गंभीरता को देखते हुए प्रदेश शासन ने इन अवशेषों को जलाने पर रोक लगाई है।

इन अवशेषों को जलाने अथवा नष्ट करने के बजाय इन्हें खेत की मिट्टी में ही मिला देने से सूक्ष्म जीवाणुओं की रक्षा होती है, साथ ही साथ मृदा कार्बनिक पदार्थ में एवं पोषक तत्वों की वृद्धि और मृदा की भौतिक संरचना पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है यह अग्रिम फसल की उत्पादकता में वृद्धि करती है।

डॉ. पी.के. बिसेन

संचालक विस्तार सेवायें

विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ

कृषि विश्वविद्यालय की 'फारमर्स फर्स्ट' परियोजना का शुभारंभ :

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय की एक करोड़ रूपए की महत्वाकांक्षी परियोजना 'फामर्स फर्स्ट' का शुभारंभ कृषि महाविद्यालय, बालाघाट के अंगीकृत ग्राम चिल्लौद में कृषकों हेतु किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन ने किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि ज.ने.कृ.वि.वि. का यह प्रदेश के किसानों की समृद्धि का एक अभिनव कदम है, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रहित में महत्वाकांक्षी सोच के अनुरूप कृषि की उद्यतन तकनीक के एकीकृत उपयोग द्वारा खेती को लाभ का धंधा बनाकर कृषकों की आय दोगुनी करने नवीनतम कृषि तकनीक को योजनाबद्ध किया गया है, जिससे कृषक को नवीनतम कृषि तकनीक उपलब्ध होगी। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता ज.ने.कृ.वि.वि. के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने की। कार्यक्रम में परियोजना की जानकारी देते हुए संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने बताया कि 'फामर्स फर्स्ट परियोजना' भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् दिल्ली द्वारा वित पोषित परियोजना है, जिसका कि संचालन अटारी जोन-7 एवं कृषि महाविद्यालय, बालाघाट के माध्मम से तीन अंगीकृत ग्रामों चिल्लौद, कोपे एवं लेंड़ेझरी में किया जा रहा है। इस परियोजना के अन्तर्गत वर्षा आधारित चिन्नौर तथा धान्य फसलों के प्रसंस्करण, उद्यानिकी, पशुपालन, मुर्गीपालन, मछली पालन, वानिकी चारागाह इत्यादि की उन्नत तकनीक तथा सूचना व प्रौद्योगिकी तकनीक के परस्पर सहयोग से वृहद् कार्य योजना प्रतिपादित की जाएगी।

प्रशिक्षण :

मध्यप्रदेश शासन की महात्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत खेती को लाभ का धंधा बनाना है। इसी

उद्देश्य के साथ विस्तार संचालनालय में दिनांक 19–22 जनवरी, 2017 एवं 20–22 जनवरी, 2017 तक कृषकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया । जिसमें कुल पांच जिलों के 25 कृषकों को कृषि प्रक्षेत्रों का भ्रमण एवं नवीन तकनीकी की जानकारी दी गई ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च, 2017) :

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च, 2017 के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के अधीनस्थ 11 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा Sensitization of Policy Makers on Agriculture for Nutritional Security विषय पर पोषण मेला का आयोजन विधान सभा परिसर में किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा एवं स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित विभिन्न पौष्टिक उत्पाद सहजन बिस्किट, रागी बिस्किट, ऑवले के विभिन्न उत्पाद स्थानीय रूप से उपलब्ध फल बेर, करौंदे के विभिन्न पौष्टिक उत्पाद हर्बल गुलाल, अलसी के उत्पाद, जैविक गुड एवं अन्य जैविक उत्पादों का प्रदर्शन किया गया ।

राष्ट्रीय कृषि उदय 2017 कृषक सम्मेलन :

दिनांक 1–3 मार्च, 2017 में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि उदय 2017 (कृषक सम्मेलन) का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय कृषि उदय 2017 का उद्घाटन महापौर डॉ. स्वाति गोडवोले द्वारा किया गया, समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलपति जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, प्रोफेसर विजय सिंह तोमर द्वारा की गई । राष्ट्रीय मेला कृषि उदय 2017 में कृषि अभियांत्रिकी, पशुपालन व संबंधित आधुनिक नवीनतम तकनीक को प्रदेश एवं देश के कृषकों को उपलब्ध कराई गई, इस राष्ट्र स्तरीय मेले में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की 70 कंपनियां एवं लगभग 100 स्टॉल लगाये गये ।

इन स्टॉलों में विभिन्न कंपनियों ने अपनी कृषि तकनीकी, फार्म मशीनरी, उद्यानिकी एवं सिंचाई यंत्रों, सोलर यंत्रों सहित अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया ।

मेले का उद्देश्य एक ही स्थान पर किसान भाईयों को वैज्ञानिकों से संवाद करने का अवसर किसान संगोष्ठी के माध्यम से दिया गया।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय कृषि उदय 2017 के तीसरे दिन माननीय कृषि मंत्री श्री गौरी शंकर बिसेन ने कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कृषक सम्मेलन के संयोजक व संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन ने स्वागत भाषण एवं मेला प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये कहा कि तीन दिवसीय कृषक सम्मेलन में 27 जिलों से 25000 कृषकों ने भाग लिया, विभिन्न राज्यों के अतिरिक्त अमेरिका और स्विजरलैंड के कृषकों ने भी कृषि तकनीक की प्रषंसा की। जिसमें उन्नत कृषि यंत्रों, विकसित किस्मों कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न उन्नत तकनीकी जैविक उत्पात का प्रदर्शन किया गया एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन, प्रश्नोत्तर परिचर्चा का आयोजन भी किया गया। ज.ने.कृ.वि.वि. के अधीनस्थ विभिन्न जिलों से पधारे प्रगतिशील कृषकों को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

सीड हब :

भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान द्वारा वर्ष 2016–17 से दलहनी फसलों का उत्पादन बढ़ाने हेतु देश में कृषकों को बीज की उपलब्धता सुलभ कराने हेतु परियोजना प्रारंभ की गई, इस परियोजन के अंतर्गत

प्रारंभ में 150 कृषि विज्ञान केन्द्रों में परियोजना लागू की गई । जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अधिनस्थ 5 कृषि विज्ञान केन्द्रों में (बैतूल, दमोह, नरसिंहपुर, हरदा, टीकमगढ़) में परियोजना प्रारंभ की गई है ।

समूह प्रदर्शन - दलहन एवं तिलहन :

समूह प्रदर्शन के अंतर्गत रबी में दलहन 700 हे. में 17 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 1680 प्रदर्शन कृषकों के यहां डाले गये दलहनी फसलों में प्रमुख रूप से चना, मसूर एवं मटर के प्रदर्शन डाले गये। तिलहन के अंतर्गत रबी 2016-17 में 320 हे. में 723 कृषकों के यहां प्रदर्शन डाले गये इसके अतंर्गत अलसी, सरसों आदि के प्रदर्शन लिये गये ।

कुपोषण को कम करने के लिए तैयार किया गया पोषण केलेंडर :

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद आई.सी.ए.आर., महिला एवं बाल विकास विभाग एवं महिला सशक्तिकरण के तत्वाधान में कुपोषण कम करने के लिये कृषि एवं पोषण जागरूकता कार्यशाला का आयोजन दिनाँक 08-02-2017 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के महानिदेशक, आई.सी.ए.आर. एवं सचिव, कृषि अनुसंधान व शिक्षा विभाग डॉ. त्रिलोचन महापात्रा की अध्यक्षता में कृषि तकनीकी अनुप्रयोग एवं अनुसंधान संस्थान, जोन-7, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में संम्पन्न हुआ। कार्यशाला में न्यूट्रीस्मार्ट बिलेज हेतु रोड मेप एवं पोषण केलेंडर का प्रस्तुतीकरण डॉ. डी.सी. श्रीवास्तव, खाद्य पोषण विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केंद्र, सिवनी द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में जिला सिवनी से कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ. एन.के. बिसेन, श्री इन्द्र कुमार साहू एवं श्रीमति राजश्री मेश्राम, परियोजना अधिकारी सिवनी एवं लखनादौन, महिला बाल विकास एवं श्री बी.आर. आठ्या, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्र, होशंगाबाद

खाद्य पदार्थों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण विषय पर प्रशिक्षण संपन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र, होशंगाबाद द्वारा संस्था प्रमुख डॉ. डी.के. पहलवान के मार्गदर्शन में वैज्ञानिक डॉ. संध्या मुरे द्वारा ग्राम कुलामड़ी, विकासखण्ड होशंगाबाद में दिनांक 23-28 जनवरी 2017 तक कौशल विकास- सह- रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में 45 महिला प्रषिक्षाणिर्थी ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय उपलब्ध खाद्य पदार्थो से शर्बत, स्क्वेश, जैम, अचार, पापड़, सॉस, आवंला उत्पाद आदि बनाना सिखाया गया।

पोषण के लिए कृषि एवं पोषण जागरूकता पर कार्यशाला में सहभागिता

कृषि विज्ञान केन्द्र, होशंगाबाद द्वारा केन्द्र के गृह वैज्ञानिकों ने दिनांक 09 एवं 10 जनवरी 2017 को भोपाल मे आयोजित कार्यशाला में सहभागिता की इसके अंतर्गत केन्द्र द्वारा प्रशिक्षणों के दौरान सिखाई गई सामग्रियों एवं तकनीकी फोल्डर्स को प्रदर्शनी में रखा गया।

कृषि विकास परिचर्चा का आयोजन

दिनांक 16 फरवरी 2017 को अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. डी.के. पहलवान के मार्गदर्शन में आयोजित की गई कृषि विकास

परिचर्चा के दौरान केन्द्र द्वारा परिसर में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का अवलोकन सर्वप्रथम माननीय विधानसभा अध्यक्ष म.प्र. डॉ. सीताशरण जी शर्मा, माननीय कृषि मंत्री श्री गौरीशंकर जी विसेन, विधायक विधानसभा क्षेत्र पिपरिया श्री ठाकुरदास नागवंशी एवं विभिन्न जनप्रतिनिधियों, कृषकों, कृषि छात्र-छात्राओं ने किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी

दलहन उत्पादन तकनीक पर छः दिवसीय प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केंद्र सिवनी में दलहन उत्पादन उन्नत तकनीक पर छः दिवसीय प्रशिक्षण दिनाँक 18-23 मार्च 2017 तक आयोजित किया गया। कृषकों को दलहन के अन्तर्गत प्रत्येक फसलों की उन्नत तकनीक तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख द्वारा, दलहनी फसलों, का अधिक उत्पादन कैसे करें इसकी जानकारी प्रदान की गई।

अधिष्ठाता महोदय का कृषि विज्ञान केंद्र में भ्रमण

दिनाँक 4 मार्च 2017 को डॉ. ओम गुप्ता, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय जबलपुर, द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र सिवनी एवं प्रक्षेत्र का भ्रमण किया गया। आपके द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र की मुख्य गतिविधियों की जानकारी वैज्ञानिकों द्वारा ली गई एवं फार्म पर चना किस्म जे. जी.-63, सोयाबीन जे.एस. 2034 का अवलोकन किया एवं फसल में कीट व्याधि नियंत्रण हेतु तकनीकी जानकारी दी। एकीकृत फसल प्रणाली के अंतर्गत डेयरी फार्म, केंचुआ खाद इकाई का अवलोकन किया।

किसान दिवस कार्यक्रम

किसान दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत दिनाँक 17.02.2017 को इफको (IFFCO) एवं कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में कृषक दिवस मनाया गया जिसके अंतर्गत मटर किस्म काशी नंदिनी पर तरल फर्टीलाईजर के प्रयोग का प्रदर्शन भी किसानों के प्रक्षेत्र पर दिखाया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी

छः दिवसीय प्रषिक्षण कार्यक्रम- दलहन उत्पादन- उन्नत तकनीक

कृषि विज्ञान केन्द्र, पिपरौध, कटनी द्वारा 'दलहन उत्पादन- उन्नत तकनीकें' (आर.के.वी.वाय के अंतर्गत) विषय पर दिनांक 16-21 मार्च 2017 तक जिले के पैतीस कृषको हेतु छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अजय सिंह तोमर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र, पिपरौध, कटनी एवं कलगुड़ी वसुधाका सोफटवेयर सोल्यूशन प्रा. लि. हैदराबाद के संयुक्त तत्वधान में दिनांक 27 फरवरी 2017 को कृषि विज्ञान केन्द्र , कटनी में कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम ''फसल उत्पादन की बाजार व्यवस्था'' पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम कलगुड़ी वसुधाका सोफ्टवेयर सोल्यूशन प्रा. लि., हैदराबाद के बिजनेस एनेलिस्ट श्री अनिरुद्ध सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य, कलगुड़ी फ्री एप (वसुधाका सोफ्टवेयर सोल्यूशन प्रा. लि., हैदराबाद) के माध्यम से किसानों, कृषि आदान विक्रेता, व्यवसायिक व्यक्तियों, शास. विभागों, भारत सरकार, राज्य सरकार के सभी विभागों को कलगुड़ी फ्री एप के माध्यम से जोड़ना है जिसमें कलगुड़ी फ्री एप एक चैनल का काम करेग।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना

क्लस्टर प्रदर्शन दलहन चना पर प्रक्षेत्र दिवस गॉव रिछोड़ा में संपन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अन्तर्गत क्लस्टर दलहन प्रदर्शन चना पर दिनांक 24 जनवरी 2017 को गॉव रिछौड़ा वि.ख. गुनौर में एक प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया

जिसमें 83 कृषकों ने भाग लिया और डॉ. बी.एस. किरार द्वारा चना प्रदर्शन में अपनायी तकनीक किस्म जाकी 9218, बीजोचपचार, कतार बुवाई व पौध संरक्षण तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी।

दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट ग्रामोदय मेला प्रदर्शनी का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना द्वारा दीन दयाल शोध संस्थान चित्रकूट में ग्रामोदय मेला में 24 से 27 फरवरी 2017 तक डॉ. बी.एस. किरार एवं डॉ. आर.के. जायसवाल द्वारा कृषि प्रदर्शनी लगायी गयी। 4 दिवसीय ग्रामोदय मेला के अवसर पर महामहिम राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सौलंकी, मान. केबिनेट मंत्री भारत सरकार श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, श्री राजीव प्रताप रूड़ी श्री गिरीराज सिंह, श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, मान. श्रीमती अर्चना चिटनिश केबिनेट मंत्री म.प्र. शासन, डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया अध्यक्ष बु.वि. प्राधिकरण एवं डॉ. ए.के. सिंह, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली डॉ. अनुपम मिश्रा, संचालक, अटारी जोन-7 जबलपुर एवं हजारों कृषकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर तकनीकी लाभ उठाया।

6 दिवसीय ग्रामीण नवयुवकों को संसाधन संरक्षण तकनीक पर प्रशिक्षण सम्पन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र पन्ना द्वारा बोरलॉग संस्थान दक्षिण एषिया तथा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के वित्तीय सहयोग से संचालक विस्तार सेवाऐं डॉ. पी.के. बिसेन के दिशा निर्देशन में संसाधन संरक्षण तकनीक विषय पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण (20 से 25 मार्च 2017) ग्रामीण नवयुवकों को डॉ. बी.एस.किरार, डॉ. आर.के. सिंह, डॉ. आर.के. जायसवाल, डॉ. के.पी. द्विवेदी, एन.के. पन्द्रे द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में डॉ. एस.के. पाण्डे अधिष्ठाता एवं डॉ. एस.के. त्रिपाठी प्राध्यापक, कृषि महाविद्यालय रीवा द्वारा भी वर्मी कम्पोस्ट एवं वर्मीकम्पोस्ट एवं जैव फफूंदनाशकों व नीम तेल आदि विषयों पर व्याख्यान दिये गये।

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल

सोयाबीन प्रसंस्करण एवं मूल्यसंवर्धन पर व्यवसायिक प्रशिक्षण

30 जनवरी से 13 फरवरी 2017 में सोयाबीन प्रसंस्करण एवं मूल्यसंवर्धन पर दस दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण मे ग्रामीण महिलाओ एवं युवतियों को सोयाबीन की पौष्टिक गुणवत्ता एवं दैनिक आहार में उपयोगिता बताई गई। गोल्डन बीन सोयाबीन का सेवन हर उम्र के लोगो विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों के लिये बहुत फायदे मंद है।

पौधा किस्म एंव कृषक अधिकार संरक्षण विषय पर एक विशाल कृषक संगोष्ठी का आयोजन

22 फरवरी 2017 को पौधा किस्म एंव कृषक अधिकार संरक्षण विषय पर एक विशाल कृषक संगोष्ठी का आयोजन ग्राम चटहा विकासखण्ड सोहागपुर में किया गया। इस विषय की उपयोगिता एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए कृषकों को आहवान किया कि जैव विविधता का संरक्षण करना आगामी पीढ़ी के लिए अति आवश्यक है। किसान विशिष्ट एवं दुर्लभ गुणों से युक्त देशी किस्मों की उन्नत खेती करके बाजार में अपनी पहचान बना सकते हैं। इनकी पैदावार में वृद्धि करने के लिए उपयुक्त तकनीकी का चयन करके आर्थिक लाभ को कई गुणा बढ़ाने की संभावनायें हैं।

आर.के.वी.वाई (बीसा) अन्तर्गत 6 दिवसीय कृषि यंत्रीकरण पर कृषक प्रशिक्षण सम्पन्न

दिनांक 20 से 25 मार्च 2017 में आर.के.वी.वाई. (बीसा) अंतर्गत 6 दिवसीय कृषि यंत्रीकरण पर कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थीयों के राष्ट्र के बदलते परिवेश में कृषि यंत्रो के महत्व की जानकारी दी गई साथ ही टिकाऊ खेती में जीरो टिल सीड ड्रील की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला गया। कृषि विभाग द्वारा चलाई

जाने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई साथ ही फार्म मशीनरी को भाड़े पर केन्द्र की स्थापना कर नवयुवको को व्यापार के रूप में अपनाने की प्रेरणा दी गई।

कृषि अभियांत्रिकी केन्द्र, नरसरहा में कृषकों का भ्रमण कराया गया और आधुनिक सारे कृषि यंत्रों की कार्यप्रणाली एवं रख-रखाव की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सोहागपुर ब्लाक के ग्राम चटहा, कठौतिया, मड़वा, खेतौली, एवं गोहपारू ब्लाक के ग्राम उमरिया, बरकोड़ा पलसऊ के कृषको ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा

क्लस्टर प्रदर्शन खरीफ 2016-17

''दलहनी फसल चना का क्लस्टर प्रदर्शन खरीफ 2016-17'' में केन्द्र द्वारा ''राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अन्तर्गत दलहनी फसल'' चने का 40 हेक्टेयर में कृषकों के प्रक्षेत्र पर समूह प्रदर्शन आयोजित किये गये। कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम भादूगॉव, नौसर एवं आमासेल में कृषकों को कलस्टर बनाकर चने की उन्नत किस्में जे.जी.-14 के प्रदर्शन लगाये गये।

संरक्षित खेती के अन्तर्गत पालीहाउस संरचनाओं का अध्ययन

संरक्षित खेती के अन्तर्गत पालीहाउस संरचनाओं का अध्ययन

विषय पर कृषक प्रक्षेत्र परीक्षण 2016-17 के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा के वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को निर्मित पालीहाउस, नेटहाउस का अध्ययन किया गया। पाया गया कि जिले में पालीहाउस नेटहाउस का निर्माण मानकों को ध्यान में रखते हुए हुआ है परन्तु कृषकों की व्यक्तिगत निर्णय दक्षता, फसल योजना व फसल आदि के चुनाव के आधार पर सफलता व असफलता निर्भर रही है। अध्ययन के दौरान कृषक श्री देवेश बाकें ग्राम- कासरनी, जिला हरदा को सफलता प्राप्त होने का गौरव प्राप्त हुआ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर में पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर में दिनाँक 22 फरवरी 2017 को पौधा किस्म संरक्षण अधिनियम एवं कृषकों के अधिकार विषय पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले भर से कुल लगभग 250 प्रगतिशील कृषकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विषय के विभागाध्यक्ष डॉ. ए. एन. राय तथा अध्यक्षता क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. आर.के. सराफ ने किया। डॉ. राय ने कृषकों से आहवान किया कि वर्तमान में जिले में मसूर, गेहूँ, जौ, तेवरा, चना, सेम, लौकी, कुम्हड़ा, कुदंरू, मूंग, बेर, बेल, कोदों, कुटकी आदि की बहुत से ऐसी पुरानी प्रजातियाँ विद्यमान है जो विविध गुणों से भरी पडी है। इनका किसानों के नाम से संरक्षण करके पेटेंट किया जाना अति आवश्यक है।

दलहन समूह प्रदर्शन 2016-17 अतंर्गत जायद मूँग उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण

दिनाँक 24 मार्च 2017 को केन्द्र में दलहन समूह प्रदर्शन 2016-17 अतंर्गत जायद मूँग उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण आयोजित किया

गया। उक्त प्रशिक्षण में मूँग की उन्नत उत्पादन तकनीकी तथा एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर कृषकों को विस्तृत जानकारी प्रदाय की गई।

कृषि मृदा स्थिरता एवं उत्पादकता हेतु एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत बीसा जबलपुर द्वारा प्रायोजित मृदा स्थिरता एवं उत्पादकता हेतु एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण केन्द्र में दिनाँक 20 मार्च से 25 मार्च 2017 तक आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण में केन्द्र के एवं क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर 34 व्याख्यान दिये गये तथा प्रशिक्षाणार्थियों को मृदा प्रशिक्षण प्रयोगशाला, केन्द्र की विभिन्न प्रदर्शन ईकाईयों एवं प्रजनक बीज उत्पादन प्रक्षेत्र का भ्रमण भी कराया गया। समापन समारोह में सागर लोकसभा क्षेत्र के सम्मानीय सांसद श्री लक्ष्मी नारायण यादव द्वारा प्रशिक्षाणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। प्रशिक्षण में कुल 30 कृषकों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

ग्रामीण महिलाओं के स्वरोजगार हेतु बांस से निर्मित हस्त शिल्प प्रशिक्षण:

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों हेतु ''बांस से निर्मित हस्त शिल्प'' के माध्यम से स्वयं का रोजगार स्थापित करने हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 17 से 30 मार्च 2017 को किया गया प्रशिक्षण में कुल 20 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लेकर बांस से निर्मित विभिन्न प्रकार के सजावटी सामान को बनाने के गुर सीखें।

पौधा किस्म और कृषक अधिकार अधिनियम 2001 पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन:

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर द्वारा दिनांक 20 मार्च, 2017 को परम्परागत प्रजातियों के संरक्षण एवं पेटेंट कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आदिवासी बहुल क्षेत्र के सर्वाधिक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पुरानी प्रजातियों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा किसानों को प्रोत्साहित किया की अधिक से अधिक प्रजातियों का रजिस्ट्रेशन करायें ताकि जबलपुर जिले के किसानों द्वारा अधिक से अधिक प्रजातियों अथवा अन्य उत्पादों का पेटेंट कराया जा सके।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर द्वारा मुख्य मंत्री खेत तीर्थ योजना के तहत स्थापित फल-सब्जी कैफेटेरिया का अवलोकन:

सिंगरौली जिले के सम्मानीय विधायक श्री रामलालू वैश्य द्वारा किया गया इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. डी.पी. शर्मा ने कूड मेड़ पद्धति से प्रदर्शित अदरक उत्पादन तकनीक का अवलोकन कराया। साथ ही पॉलीहाऊस में टमाटर उत्पादन तकनीक, अरहर एवं मुनगा के पौधों पर लाख उत्पादन, वर्मी कम्पोस्ट इकाई आदि का भी अवलोकन किया गया।

एवार्ड/सम्मान

डॉ. विशाल मेश्राम सम्मानित

दिनांक 28-31, जनवरी 2017 को 8वीं National Extension Education Copngress के अवसर पर Society of Extension Education द्वारा Best KVK Professional Award 2017 जनवरी 2017 को कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला के वैज्ञानिक डॉ. विशाल

मेश्राम को तकनीकी हस्तांतरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रदान किया गया।

Bioved Research Institute of Agriculture & Technology द्वारा 19वें Indian Agricultural Scientists and Farmers' Congress के अवसर पर Younh Dvormyody Sddpvosyr Sestf- 2017 को इलाहाबाद में डॉ. विशाल मेश्राम, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला को प्रदान किया गया।

डॉ. किरार वरिष्ठ वैज्ञानिक को गणतंत्र दिवस पर प्रशस्ति-पत्र से सम्मान

डॉ. बी.एस. किरार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र पन्ना को कार्यालय कलेक्टर पन्ना द्वारा गणतंत्र दिवस पर सुश्री कुसुम सिंह मेहदेले माननीय मंत्री पी.एच.ई. एवं जेल विभाग म.प्र.शासन एवं कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक पन्ना के हाथों उन्नत कृषि तकनीक एवं कृषक कल्याणकारी योजनाओं के फै लाव में जिले में उत्कृष्ठ कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. बिसेन उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति माननीय विजय सिंह तोमर द्वारा 26 जनवरी 2017, गणतंत्र दिवस के अवसर पर जवाहर स्टेडियम, ज.ने.कृ.वि.वि. जबलपुर में कृषि विज्ञान केंद्र, सिवनी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. नरेश कुमार बिसेन को कृषि क्षेत्र की उतरोत्तर उन्नति एवं प्रगति में उल्लेखनीय योगदान एवं समग्र रूप से उत्कृष्ट सेवाओं हेतु स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं नगद दस हजार रूपये प्रदान कर सम्मानित किया गया।

डॉ. एस.के. तिवारी को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार

डॉ. एस.के. तिवारी, सस्य वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा वर्ष 2017 का बायोबेद संस्थान इलाहाबाद द्वारा आयोजित 19वीं. कृषि वैज्ञानिक एवं कृषक कांग्रेस दिनांक 18 से 19 फरवरी, 2017 में युवा वैज्ञानिक का पुरूस्कार प्राप्त हुआ ।

बधाई

कृषि वैज्ञानिक सीताराम धुवारे को मिली डाक्ट्रेट की उपाधि

राणा हनुमान सिंह कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गॉव, बालाघाट में पदस्थ कृषि वैज्ञानिक एस.आर. धुवारे ने महात्मा गॉधी चित्रकूट ग्रामोदय विष्व विद्यालय चित्रकूट, सतना, म.प्र. से कृषि संकाय के कृषि प्रसार विभाग से डॉ. वाय. के. सिंह, प्राध्यापक के मार्गदर्शन में 'धान उत्पादन की 'श्री पद्धति' पर विभिन्न प्रबंधन क्रियाओं के विषय में शहडोल जिले के किसानों का ज्ञान एवं अंगीकरण के अध्ययन'। Study on System of Rice Intensification with reference to management practices followed by farmers of Shahdol district, M.P.) पर पी.एच.डी. कर डाक्ट्रेट की उपाधि प्राप्त की।

कृषि वैज्ञानिक राम प्रताप बेन को मिली डाक्ट्रेट की उपाधि

राम प्रताप बेन, कार्यक्रम सहायक, कृषि प्रसार, कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विष्वविद्यालय, चित्रकूट, मध्यप्रदेश द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि उनके शोध प्रबंध, 'आ स्टडी ऑफ आई सी टी पर्सपेक्टिव उन मिनिमिज़िंग दा टेक्नोलॉजिकल गैप ऑफ दा एग्रीकल्चर एंड अलाइड फार्मिंग इन कटनी डिस्ट्रस्ट ऑफ मध्यप्रदेश' पर प्रदान की गई है ।

पदोन्नति

- डॉ. टी.आर. शर्मा, सह-प्राध्यापक संचालनालय विस्तार सेवाएँ से प्राध्यापक के पद पर पदोन्नति की गई।

प्रति,

प्रकाशक

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

Tele-fax: 0761-2681710, e-mail:desjnau@rediffmail.com

www.jnkvv.org